हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, मंगलवार 27 अक्टूबर 2026

तापमान
अधिकतम 28.9°C
न्यूनतम 15.8°C

11 अस्मिता रग्बी में जींद की लड़कियों ने दोनों...



12 डीसी की मदद से दीपेंद्र वोट चोरी कर बने...



शहर में आज

- उपायुक्त की अधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन सुबह 11 बजे
- एमडीयू में इंटर क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन सुबह 8 बजे
- आम्बेडकर चौक पर रक्तदान शिविर का आयोजन सुबह 10 बजे

खबर संक्षेप

बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट वाले वाहनों पर 1 नवंबर से होगी कार्रवाई

रोहतक। पुलिस एक नवंबर 2026 से बिना नंबर प्लेट और नियमानुसार हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट के बिना चलने वाले वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाएगी। अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों को जब्त भी किया जा सकता है। पुलिस प्रवक्ता मनीष ने बताया कि पुलिस अधीक्षक गौरव राजपुरोहित के निर्देशानुसार यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करने और वाहन चालकों को जागरूक करने के उद्देश्य से यह अभियान शुरू किया जा रहा है। पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे एक नवंबर से पहले अपने वाहनों पर नियमानुसार नंबर प्लेट लगवा लें। वाहन चालक अपने जरूरी दस्तावेज भी पूरे रखें और यातायात नियमों का पालन करें।

मकड़ौली टोल पर बाइक व कार की टक्कर, दो घायल

रोहतक। मकड़ौली टोल के पास बाइक और कार के बीच हुई टक्कर में किला रोड निवासी दो युवक घायल हो गए। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया, जबकि घायलों को उपचार के लिए ट्रामा सेंटर पहुंचाया गया। घटना के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, मकड़ौली टोल के पास बाइक और कार की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी गंभीर थी कि बाइक सवार किला रोड निवासी रामकुमार और राहुल घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। बताया गया है कि कार चालक दुर्घटना के बाद मौके से निकल गया। इसके बाद घायलों को उपचार के लिए ट्रामा सेंटर ले जाया गया, जहां दोनों का इलाज चल रहा है। हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के साथ कार चालक की पहचान और उसकी तलाश करने में जुटी है।

जानलेवा हो रही ठेकों की 24 घंटे रौनक नशे में ड्राइविंग की घटनाएं बढ़ा रहीं चिंता

दिल्ली बाइपास से करीब एक किमी दायरे में 5 ठेके और 9 बार, देर रात तक रहता है वाहनों का जमावड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रात गहराते ही शहर की रफ्तार थमने लगती है। मेडिकल स्टोर के शटर गिर जाते हैं, मंदिरों और धर्मशालाओं के दरवाजे बंद हो जाते हैं और पार्कों में सन्नाटा छा जाता है। बाजारों की रौनक भी धीरे-धीरे फीकी पड़ने लगती है, लेकिन शराब के ठेकों के आसपास देर रात तक गाड़ियों और बाइकों का जमावड़ा लगा रहता है। कहीं सड़क किनारे वाहनों की कतारें दिखाई देती हैं तो कहीं ठेकों के आसपास लोगों की भीड़ नजर आती है। ऐसे में सवाल उठता है कि जब रात के समय शहर की दूसरी सुविधाओं पर ताले लग जाते हैं, तो शराब की दुकानों के आसपास रौनक बनाए रखना आखिर कितना जरूरी है।

रोहतक प्रशासन की व्यवस्था पर सवाल उठाते इस विरोधाभास को हरिबंसराय की कविता 'बैर करवाते मंदिर-मस्जिद, प्रेम बढ़ाती मधुशाला' भी अलग अंदाज में सामने रखती है। कविता की पंक्तियां हैं "मंदिर बंद, मस्जिद बंद, रात को सब दरवाजे बंद, दवा की दुकानें भी बंद, सूनी गलियां, बाजार बंद। लेकिन देखो शहर की सड़कों पर, कैसा ये दस्तूर है, मधुशाला के आगे रात में भी, गाड़ियों का हुजूम है। ये पंक्तियां शहर की रात की तस्वीर के साथ उस व्यवस्था पर भी सवाल खड़ा करती हैं, जहां आम लोगों की सुविधा, सड़क सुरक्षा और देर रात की शांति के मुकाबले शराब के ठेकों के आसपास की गतिविधियां चर्चा का विषय बनी हुई हैं।



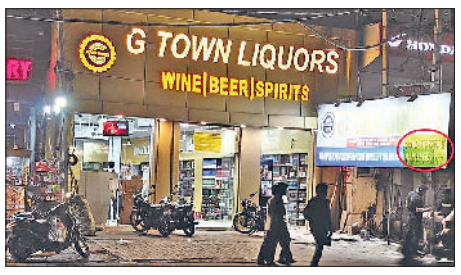

नशे की रोकथाम पर भी सवाल

पुलिस की ओर से सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने और सड़क पर शराब पीने वालों को पकड़कर उठक-बैठक करवाने की बात सामने आती रही है। इसके बावजूद यह सवाल महत्वपूर्ण है कि शराब के ठेकों के आसपास सड़क किनारे वाहनों की पार्किंग, देर रात होने वाली भीड़ और नशे में ड्राइविंग को रोकने के लिए व्यवस्था कितनी प्रभावी व्यवस्था है।

यातायात पर असर

शहर में शराब की दुकानों और बार की संख्या तथा उनके आसपास की गतिविधियों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। दिल्ली बाइपास से शीला बाइपास के बीच करीब एक किलोमीटर के दायरे में पांच शराब के ठेके और नौ बार है। इसी तरह दिल्ली बाइपास से अशोका चौक तक लगभग एक किलोमीटर के क्षेत्र में पांच ठेके हैं। इतनी कम दूरी में शराब की दुकानों की मौजूदगी और देर रात तक इनके आसपास होने वाली गतिविधियां चर्चा का विषय हैं। रात के समय शराब के ठेकों के आसपास कारों और बाइकों की कतारें लगने से सड़क पर यातायात प्रभावित होने की आशंका रहती है। सड़क किनारे खड़े वाहनों के कारण दूसरे वाहन चालकों और पैदल चलने वालों को परेशानी हो सकती है। रिहायशी इलाकों में ठेकों के आसपास भीड़, शोर-शराबे और गाली-गलौज की शिकायतें भी लोगों की चिंता बढ़ाती हैं। देर रात घर लौटने वाली महिलाओं, बुजुर्गों और परिवारों के लिए ऐसी परिस्थितियां असहज हो सकती हैं।

इन तीन उदाहरणों से समझिए शहर में हादसे किस तरह दे रहे चेतावनी

शहर में सामने आए कुछ हादसे और पुलिस मामले इस समस्या के गंभीर पहलू की ओर ध्यान दिलाते हैं। हालांकि, इन घटनाओं से यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि इनका सीधा संबंध किसी विशेष शराब के ठेके से है, लेकिन नशे में वाहन चलाने के आरोपों और सड़क सुरक्षा के सवालों को नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता।

अनियंत्रित कार ने कई वाहनों को मारी टक्कर

केस-1

27 अप्रैल को रेलवे रोड बाजार में तेज रफ्तार कार ने करीब 500 मीटर के दायरे में कई दोपहिया वाहनों और ऑटो को टक्कर मार दी थी। हादसे में एक युवक घायल हो गया और बाजार में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस के अनुसार, कार चालक नशे की हालत में था। मामले में चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया। यह घटना बताती है कि नशे में वाहन चलाने का आरोप कितना गंभीर हो सकता है और इससे बाजार जैसे भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में कितने लोगों की जान जोखिम में पड़ सकती है।

जाट भवन के पास मां-बेटी को कार ने कुचला

केस-2

24 अक्टूबर की सुबह जाट भवन के पास सैर करने निकली रामगोपाल कॉलोनी निवासी नीलम और उनकी 70 वर्षीय मां कृष्णा देवी को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। शिकायत के अनुसार, टक्कर के बाद कार कृष्णा देवी के ऊपर से गुजर गई। दोनों घायल महिलाओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने कार चालक सुमित और उसके साथी प्रवीण को काबू किया। पुलिस कार्रवाई के विवरण में चालक के मेडिकल परीक्षण के दौरान शराब की गंध दर्ज होने का उल्लेख है। मामले में केस दर्ज किया गया।

पत्नी की हत्या के मामले में भी शराब के नशे का जिक्र

केस-3

29 सितंबर को सामने आए पत्नी की हत्या के एक मामले में पुलिस के अनुसार, आरोपी के शराब के नशे में होने और घरेलू बहस के बाद वारदात किए जाने का जिक्र आया। यह मामला सड़क हादसे से अलग घरेलू हिंसा और हत्या से जुड़ा है। मामले के सभी तथ्यों और नशे की स्थिति की पुष्टि आधिकारिक रिकॉर्ड के आधार पर की जानी जरूरी है। घटना यह सवाल भी खड़ा करती है कि घरेलू विवादों में हिंसा रोकने और समय रहते मदद पहुंचाने के लिए समाज तथा प्रशासन की क्या भूमिका होनी चाहिए।

रिश्तेदार बन भरोसा जीता खाते में भेजे बिना ट्रांसफर करवा लिए ₹25 हजार

रोहतक। रिश्तेदार समझकर मदद करना महम निवासी एक ऑटो चालक को महंगा पड़ गया। साइबर ठग ने फोन कर खुद को भिवानी में रहने वाला दीपक बताया और अस्पताल में पैसे जमा करवाने की जरूरत बताई। आरोपी ने पीड़ित को भरोसा दिलाया कि उसके खाते में रकम भेज दी गई है। मोबाइल पर 25 हजार रुपये आने का मैसेज दिखाकर उसने दूसरे नंबर पर पैसे ट्रांसफर करने को कहा। रिश्तेदार समझकर पीड़ित ने अपने खाते से 10 हजार रुपये और अपने भाई के खाते से 15 हजार रुपये ट्रांसफर करवा दिए। बाद में खाते की जांच की तो उसमें कोई रकम नहीं आई। ठगी का एहसास होने पर पीड़ित ने साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

यूं दिया वारदात को अंजाम

महम निवासी विजय कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 19 अक्टूबर 2026 को सुबह करीब 10 बजे उसके मोबाइल पर अनजान नंबर से कॉल आई। फोन करने वाले ने खुद को दीपक बताया और कहा कि उसके खाते में कुछ दिक्कत है, इसलिए वह पैसे विजय के खाते में भेज रहा है। इसके बाद रकम अस्पताल में जमा करवाने के नाम पर रविंद्र यादव के मोबाइल नंबर पर भेजने को कहा। विजय ने बताया कि वह उस समय ऑटो चला रहा था और शोर के कारण आवाज ठीक से सुनाई नहीं दे रही थी। उसे लगा कि फोन करने वाला भिवानी में रहने वाला उसका परिचित दीपक है। आरोपी की बातों में आकर उसने अपने पंजाब नेशनल बैंक खाते से 10 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद विजय ने अपने भाई जितेंद्र से भी 15 हजार रुपये संबंधित नंबर पर भेजने को कहा। इस तरह कुल 25 हजार रुपये ट्रांसफर हो गए। शिकायत के अनुसार, बाद में आरोपी ने 55 हजार रुपये खाते में आने का एक और मैसेज भेजा और रकम भी आगे भेजने को कहा। विजय ने जब अपना बैंक खाता चेक किया तो उसमें कोई पैसा जमा नहीं हुआ था। इसके बाद उसे ठगी का शक हुआ। पीड़ित ने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई।



तिलियार पर संगठन की मीटिंग में पहुंचे सीएम फिर मंगल कार्यालय में कार्यकर्ताओं से मिले

मुख्यमंत्री ने हेलीपैड पर लोगों की समस्याएं भी सुनीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सोमवार शाम को अचानक रोहतक पहुंचे। यहां उन्होंने तिलियार पर्यटन केंद्र में आयोजित संगठन की बैठक में शिरकत की। इसके बाद मुख्यमंत्री मंगल कार्यालय पहुंचे और पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं से बातचीत कर संगठन से जुड़े विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री के रोहतक पहुंचने पर हेलीपैड पर भी लोगों की भीड़ मौजूद रही। यहां नायब सैनी ने लोगों की समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने लोगों से संवाद करते हुए उनकी शिकायतों के समाधान को लेकर संबंधित विषयों पर जानकारी ली।

तिलियार में आयोजित संगठन की बैठक में मुख्यमंत्री की मौजूदगी को संगठनात्मक गतिविधियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस मीटिंग में युवा मोर्चा, किसान मोर्चा के पदाधिकारियों से चर्चा की गई। बैठक के बाद सीएम नायब सिंह सैनी ने मंगल कार्यालय में कार्यकर्ताओं से मुलाकात के दौरान उन्होंने पार्टी के लोगों से संवाद किया। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। रोहतक प्रवास के दौरान संगठन की बैठक और कार्यकर्ताओं से मुलाकात प्रमुख कार्यक्रम रहे।

सुपर सकर मशीन के बावजूद नालों की सफाई का ठेका देने पर सवाल

पार्षद डिंपल जैन व कंचन खुराना ने की जांच की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

- नगर निगम ने पिछले दिनों करीब तीन करोड़ से खरीदी थी सुपर सकर मशीन
- मशीन चलाने के लिए स्टाफ पर भी खर्च किए जा रहे हैं लाखों रुपये

नगर निगम में कामकाज का तरीका भी गजब है। पहले नालों की सफाई के लिए लाखों रुपये खर्च कर सुपर सकर मशीन खरीदी गई और फिर नालों की सफाई का ठेका भी अलग से दे दिया गया। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि जब सफाई के लिए मशीन खरीदी गई थी तो उसका पूरा इस्तेमाल क्यों नहीं हो पाया और ठेके पर सफाई कराने की जरूरत क्यों पड़ी। निगम हाउस की बैठक में पार्षद डिंपल जैन और कंचन खुराना ने इस मामले को उठाते हुए मशीन की उपयोगिता पर सवाल खड़े किए थे। सकर मशीन के साथ पानी जेट प्रेशर मशीन की जरूरत बताई जा रही है। जबकि अधिकारी दावा कर रहे हैं कि सुपर सकर मशीन रोजाना चलाई जा रही है। जिसे रिकार्ड में दर्ज किया जाता है।

नगर निगम की ओर से नालों की सफाई के लिए विगत दिनों करीब तीन करोड़ की सुपर सकर मशीन खरीदी गई थी। मशीन चलाने के लिए स्टाफ पर भी लाखों रुपये खर्च किए गए। इस मशीन का उद्देश्य नालों में जमा गाद और गंदगी को निकालने के काम को आसान बनाना था। मशीन खरीदने के पीछे उम्मीद थी कि निगम अपने संसाधनों से सफाई करवा सकेगा और जरूरत पड़ने पर बाहरी एजेंसियों पर निर्भरता कम होगी। लेकिन बाद में नालों की सफाई का ठेका करीब एक करोड़ में दिए जाने से मशीन की खरीद और उसके इस्तेमाल को लेकर सवाल खड़े हो गए।



हाउस की मीटिंग में उठाया था मुद्दा

नगर निगम हाउस की बैठक में पार्षद डिंपल जैन और कंचन खुराना ने सुपर सकर मशीन और नालों की सफाई से जुड़े मामले को उठाया था। पार्षदों का सवाल था कि निगम के पास मशीन होने के बावजूद सफाई व्यवस्था को लेकर स्थिति स्पष्ट क्यों नहीं है। मशीन की खरीद पर खर्च किए गए पैसे का पूरा लाभ शहरवासियों को मिलना चाहिए। यदि मशीन से नालों की सफाई नहीं हो पा रही है तो इसके पीछे तकनीकी कारणों और व्यवस्था की कमियों को स्पष्ट किया जाना चाहिए। पार्षद अब मामले की जांच करने की मांग उठा रहे हैं।

गलती से मंगवाने की बात आई सामने

एक पार्षद ने बताया कि उन्होंने पहरावर एरिया में नाले जाम होने पर मशीन मंगवाई थी। उनके अनुसार, मशीन से नालों की सफाई नहीं करवा पाए। ऐसे में मशीन की उपयोगिता और खरीद के समय जरूरतों का आकलन किए जाने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। यदि मशीन नालों की सफाई के लिए पर्याप्त नहीं थी तो खरीद से पहले इसकी क्षमता और तकनीकी जरूरतों का आकलन किया जाना चाहिए था।

सुपर सकर के साथ जेट प्रेशर मशीन भी जरूरी

सुपर सकर मशीन के साथ पानी के जेट प्रेशर वाली मशीन की जरूरत भी बताई जा रही है। नालों में जमी गाद और अंदरूनी हिस्सों में जमा गंदगी को हटाने के लिए अलग-अलग उपकरणों की आवश्यकता हो सकती है। ऐसे में निगम को यह स्पष्ट करना होगा कि मौजूदा मशीन किन परिस्थितियों में काम कर सकती है और सफाई के लिए अतिरिक्त मशीन की जरूरत क्यों पड़ रही है।

अधिकारी बोले, रोजाना चलाई जा रही मशीन

वहीं, नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि सुपर सकर मशीन रोजाना चलाई जा रही है। जिसके लिए रिकार्ड भी तैयार किया जाता है।

पीजीआईएमएस में इस साल भी शुरू नहीं हो पाया न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग

35 करोड़ की ग्रांट, फिर भी पीईटी-सीटी स्कैन का इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों के लिए समय पर बीमारी की पहचान और सटीक उपचार बेहद जरूरी होता है, लेकिन जब आधुनिक जांच और उपचार की सुविधा अपने ही शहर में उपलब्ध न हो तो मरीजों की परेशानी और बढ़ जाती है। रोहतक स्थित पीजीआईएमएस में न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग शुरू होने का इंतजार भी लंबे समय से किया जा रहा है। विभाग के लिए करीब 35 करोड़ रुपये की मशीन की ग्रांट सरकार की ओर से मिल चुकी है, लेकिन इसके बावजूद इस साल भी यह सुविधा शुरू नहीं हो पाई। ऐसे में कैंसर मरीजों को आधुनिक जांच और उपचार की सुविधा मिलने के लिए अभी और इंतजार करना पड़ सकता है।

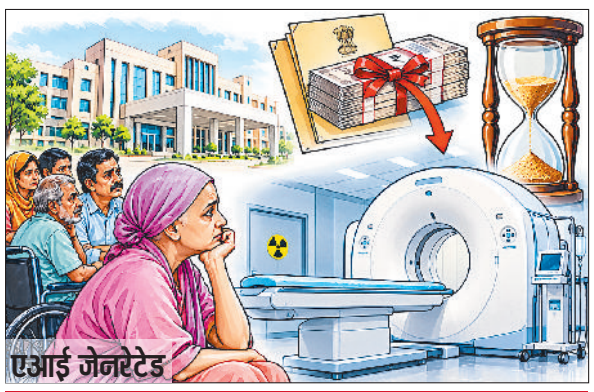

कई साल से अटकी है सुविधा

पीजीआईएमएस में न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग शुरू करने की योजना का उद्देश्य मरीजों को आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है। विभाग की बिल्डिंग बनकर तैयार है। इसके लिए करीब 35 करोड़ रुपये की लागत वाली मशीन की ग्रांट मिलने के बाद मरीजों और उनके परिजनों को उम्मीद थी कि जल्द ही संस्थान में यह सुविधा शुरू हो जाएगी। हालांकि, लंबे समय से इंतजार के बावजूद विभाग शुरू नहीं हो सका है। इस सुविधा के शुरू होने से कैंसर के मरीजों को जांच और उपचार के लिए दूसरे बड़े चिकित्सा संस्थानों पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है। फिलहाल विभाग शुरू नहीं होने के कारण मरीजों को इस आधुनिक सुविधा का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

जानिए...क्या है न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग

न्यूक्लियर मेडिसिन चिकित्सा विज्ञान की एक आधुनिक शाखा है। इसमें रेडियोएक्टिव पदार्थों की नियंत्रित मात्रा का इस्तेमाल करके शरीर के अंगों की कार्यप्रणाली की जांच की जाती है। यह सामान्य एक्स-रे या सीटी स्कैन से अलग है, क्योंकि इसमें केवल अंगों की बनावट ही नहीं, बल्कि उनकी गतिविधियों और कार्यप्रणाली से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी भी मिल सकती है। कैंसर के अलावा हृदय, हड्डियों और कुछ अन्य बीमारियों की जांच में भी इस तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है।

पीईटी स्कैन से मिलेगी बीमारी की सटीक जानकारी

न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग में प्रस्तावित पीईटी मशीन कैंसर की जांच में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पीईटी स्कैन के माध्यम से शरीर में कैंसर की मौजूदगी, उसके फैलाव और उपचार के प्रति बीमारी की प्रतिक्रिया का आकलन करने में मदद मिलती है। कई मामलों में इससे डॉक्टरों को उपचार की आगे की रणनीति तय करने में सहायता मिलती है। जरूरत के अनुसार पीईटी स्कैन को सीटी स्कैन के साथ जोड़कर भी किया जाता है, जिससे बीमारी की स्थिति को अधिक स्पष्टता से समझा जा सके।

विभाग शुरू होने से मरीजों को मिल सकती है बड़ी राहत

पीजीआईएमएस में न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग शुरू होने से रोहतक के साथ आसपास के जिलों से आने वाले मरीजों को भी लाभ मिल सकता है। आधुनिक जांच की सुविधा संस्थान में उपलब्ध होने से मरीजों का समय बचने और उपचार की प्रक्रिया को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। हालांकि, मशीन की ग्रांट मिलने के बावजूद विभाग शुरू नहीं हो पाने से यह सुविधा अभी मरीजों की पहुंच से दूर है। अब देखना होगा कि संस्थान में मशीन की स्थापना और विभाग को शुरू करने की प्रक्रिया कब तक पूरी होती है।

जवाहर नगर की गली में टहलती बुजुर्ग महिला के कान से सोने की बाली झपटी

बाइक सवार दो युवकों ने दिया वारदात को अंजाम, सीसीटीवी कैमरे में हुई कैद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर के जवाहर नगर में दो बाइक सवार युवकों ने एक बुजुर्ग महिला के कान से सोने की बाली झपट ली। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी मौके से भाग निकले। पूरी घटना गली में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुट गई। जानकारी के अनुसार, जवाहर नगर निवासी बुजुर्ग महिला वीरा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह उम्र अधिक होने के कारण घर पर ही रहती हैं। घटना के दिन शाम करीब साढ़े बजे वह घर के बाहर गली में टहल रही थीं। इसी दौरान बाइक सवार दो युवक वहां पहुंचे। आरोप है कि उनमें से एक युवक बाइक से नीचे उतरा और महिला के कान से सोने की बाली तोड़कर फरार हो गया। महिला ने घटना के तुरंत बाद डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी।



पुलिस छानबीन में जुटी

गली में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में बाइक सवार दोनों युवक नजर आ रहे हैं। फुटेज के अनुसार, महिला गली में टहल रही थी, तभी पीछे से बाइक पर आए युवक उसके पास पहुंचे। एक युवक बाइक से उतर गया, जबकि दूसरा बाइक लेकर आगे चला गया। इसके बाद नीचे उतरे युवक ने महिला के कान से बाली झपटी और फरार हो गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। आर्य नगर थाना के जांच अधिकारी एएसआई विनोद ने बताया कि बुजुर्ग महिला के कान से बाली झपटने की सूचना मिली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की और गली में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज हासिल की है। मामले में आरोपियों की पहचान और उनकी तलाश के लिए जांच की जा रही है।

मेरा शहर मेरी समस्या

लक्ष्मी नगर के मुख्य गेट पर धंसी गली, 5 फीट गहरा कटाव

पांच दिन में दो बार धंस चुके वाहन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर के लक्ष्मी नगर के मुख्य गेट पर गली का करीब पांच फीट तक नीचे धंस जाना लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गया है। पिछले पांच दिनों से सड़क की यह हालत बनी हुई है, लेकिन शिकायत के बावजूद नगर निगम की ओर से समस्या का समाधान नहीं किया गया। मुख्य रास्ते पर गली धंसने से जहां वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी हो रही है, वहीं आसपास रहने वाले लोगों को बड़े हादसे का डर सता रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गड्ढे में दो बार गाड़ियों के टायर तक फंस चुके हैं। जल्द मरम्मत नहीं की गई तो नीचे मिट्टी का कटाव बढ़ने से गली का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो सकता है। समाजसेवी धर्मपाल सिंह ने बताया कि लक्ष्मी नगर का मुख्य गेट होने के कारण इस गली से दिनभर लोगों और वाहनों का आवागमन रहता है। सड़क का एक हिस्सा अचानक नीचे धंसने से रास्ता असुरक्षित हो गया है। वाहन चालकों को यहां से गुजरते समय काफी सावधानी बरतनी पड़ती है। रात के समय गड्ढा



दिखाई नहीं देने पर दुर्घटना होने का खतरा और बढ़ जाता है। समस्या की जानकारी नगर निगम को दी जा चुकी है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान के लिए काम शुरू नहीं हुआ है।

मकानों को खतरा

लोगों को आशंका है कि सड़क के नीचे मिट्टी का कटाव जारी रहा तो आसपास की गली भी इसकी चपेट में आ सकती है।

लोगों का छलका दर्द

शिकायत करने पर भी नहीं हुआ समाधान



गली धंसे हुए पांच दिन हो चुके हैं। निगम में शिकायत देने के बावजूद कोई समाधान नहीं हुआ। लोगों को रोजाना इसी रास्ते से निकलना पड़ता है और हर समय वाहन फंसने या दुर्घटना होने का डर बना रहता है। इसी रास्त से रोज सैकड़ों लोगों का आवागमन होता है। इसी रास्ते से बच्चे भी स्कूलों के लिए निकलते हैं। हर समय अनहोनी होने का भय बना रहता है। -जगपाल सांगवान

जल्द मरम्मत करें



गड्ढे में दो बार गाड़ी के टायर फंस चुके हैं। यदि वाहन का संतुलन बिगड़ जाए तो नुकसान हो सकता है। मुख्य गेट पर ही ऐसी स्थिति बनी रहना कॉलोनी के लोगों के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने मांग की कि निगम की टीम मौके पर पहुंचकर जांच करे और जल्द मरम्मत कराए। -रमेश

तुरंत कार्रवाई हो



सड़क के नीचे मिट्टी का कटाव बढ़ा तो आसपास का हिस्सा भी धंस सकता है। इससे मकानों की नींव और आसपास की संपत्ति को नुकसान पहुंचने की आशंका है। प्रशासन को किसी बड़े हादसे का इंतजार करने के बजाय तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। -सुनीता

इससे न केवल आवागमन बाधित होगा, बल्कि आसपास के मकानों की नींव तक पानी पहुंचने का खतरा भी पैदा हो सकता है। लोगों का कहना है कि फिलहाल समस्या सीमित हिस्से में दिखाई दे रही है, लेकिन अनदेखी के कारण यह बड़े नुकसान का कारण बन सकती है। इसलिए केवल ऊपर से मिट्टी डालने के बजाय सड़क धंसने के कारण का पता लगाकर मरम्मत की जानी चाहिए।

महापंचायत में मांगों को लेकर आंदोलन तेज करने का ऐलान



रोहतक। आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते नेता। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

एक बेंकेट हाल में रविवार को आयोजित किसान मजदूर छात्र युवा महिला महापंचायत में विभिन्न संगठनों ने अपनी मांगों को लेकर आंदोलन तेज करने का फैसला लिया। महापंचायत में 3 नवंबर को प्रदेशभर में जिला मुख्यालयों पर ज्ञापन देने, फरवरी 2027 में विधानसभा सत्र के दौरान जिलावार विरोध प्रदर्शन करने और 26 नवंबर को दिल्ली में किसान आंदोलन में भागीदारी करने का ऐलान किया गया। महापंचायत ने बाजरा और धान की एमएसपी पर खरीद, फसल खराबे पर प्रति एकड़ 50 हजार रुपये मुआवजा, सस्ता खाद-बीज, बिजली के निजीकरण पर रोक, शामलात भूमि और लैंड पुलिंग स्कीम से जुड़ी मांगें उठाईं। इसके अलावा बुढ़ापा पेंशन 10 हजार रुपये मासिक करने, सभी कर्मचारियों को पक्का करने, ग्रामीण गरीबों को पूरे साल काम देने की मांग की।

■ विभिन्न संगठन 3 को जिला मुख्यालयों पर सौंपेंगे ज्ञापन

कर्मचारी का दर्जा देने की मांग

महापंचायत ने मिड-डे-मील, आशा और आंगनवाड़ी कर्मियों सहित मजदूरों के लिए 42 हजार रुपये मासिक वेतन, आठ घंटे का कार्य दिवस और स्कीम वर्कर्स को सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने की मांग भी उठाई।

महापंचायत ने सभी फसलों की लागत से डेढ़ गुना एमएसपी पर सरकारी खरीद का कानून बनाने, कर्ज माफी, चार लेबर कोड रद्द करने और भारत-अमेरिका व्यापार समझौता वार्ता रोकने की मांग भी की। सिंघु और टिकरी बॉर्डर पर किसान आंदोलन में जान गंवाने वाले 736 किसानों की याद में शहीद स्थल बनाने के लिए निशुल्क जमीन उपलब्ध कराने की मांग उठाई गई। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विकल्प के रूप में जन शिक्षा नीति 2026 लागू करने के लिए राष्ट्रपति के नाम हस्ताक्षर अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। महापंचायत का आयोजन पांच किसान, मजदूर, महिला, युवा और छात्र संगठनों ने संयुक्त रूप से किया। अध्यक्षता अनूप सिंह मातनहेल, मास्टर जयकरण मांडौठी, ईश्वर सिंह राठी, सूबे सिंह यादव और बिमला देवी ने की।

एक की महारैली में भाग लेगा सीटू

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे, एसआईआर रद्द करने और वोट चोरी के मुद्दे उठाए जाएंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक



जनता कॉलोनी स्थित मजदूर भवन में सोमवार को हुई सीटू की बैठक में एक नवंबर को होने वाली महारैली में बढ़-चढ़कर भाग लेने का निर्णय लिया गया। इंडिया ब्लॉक के आह्वान पर होने वाली इस रैली में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे, एसआईआर रद्द करने और वोट चोरी के मुद्दे उठाए जाएंगे। बैठक की अध्यक्षता कमलेश लाहली और बबीता ने संयुक्त रूप से की। सीटू जिला प्रधान प्रकाशचंद्र, जिला सचिव विनोद और जिला सह सचिव धर्मवीर हुड्डा ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता और स्वायत्तता पर सवाल उठ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मतदाता सूचियों में नाम नहीं होने से गरीबों, प्रवासी श्रमिकों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों के मतदान अधिकार प्रभावित होने की आशंका है। उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया रद्द करने और मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग उठाई।

बैठक में 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान को घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। इस दौरान भगत सिंह, फूलवती, रीना, कांता, शीला, रानी, अमिता, ममता, राजो, दर्शना, सेवाराम, ज्ञान और सोनू मौजूद रहे।

प्रशांत सैनी सहायक जिला न्यायवादी बने



रोहतक। सैनी कॉलेज रोड निवासी प्रशांत सैनी का हरियाणा लोक सेवा आयोग की भर्ती में सहायक जिला न्यायवादी (एडीए) पद पर चयन हुआ है। प्रशांत सैनी एलएलबी, एलएलएम और पीएचडी की शैक्षणिक योग्यता रखते हैं। वे वरिष्ठ भाजपा नेता संजय परमार सैनी के भतीजे और राजकुमार सैनी के बेटे हैं। उनकी सफलता से परिवार और सैनी समाज में खुशी का माहौल है। समाज के लोगों ने इसे युवाओं के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि बताया। परिवार को उम्मीद है कि प्रशांत सैनी अपने पद पर ईमानदारी, निष्पक्षता और कर्तव्यनिष्ठा से जिम्मेदारियां निभाएंगे।

लाखनमाजरा में सरकारी स्कूल के सामने टूटी सड़क, सालभर से धूल फांक रहे लोग

शिकायतों के बावजूद समाधान नहीं, विद्यार्थी और राहगीर परेशान

लखन जी मिश्रा ▶▶| लाखनमाजरा

लाखनमाजरा में मुख्य सड़क की बदहाल स्थिति से स्थानीय लोग परेशान हैं। सरकारी स्कूल के सामने सड़क लंबे समय से टूटी पड़ी है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे होने और सतह उखड़ने के कारण दिनभर धूल उड़ती रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि समस्या पिछले एक साल से बनी हुई है, लेकिन संबंधित अधिकारियों को शिकायत देने के बावजूद कोई स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा।

सड़क से गुजरने वाले वाहन धूल उड़ाते हुए निकलते हैं, जिससे आसपास के दुकानदारों, राहगीरों और स्थानीय निवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। सरकारी स्कूल के सामने सड़क की ऐसी हालत होने से विद्यार्थियों की आवाजाही को लेकर भी चिंता बनी रहती है। स्कूल आने-जाने वाले बच्चों को धूल के बीच से गुजरना पड़ता है। वहीं, दोपहिया वाहन चालकों के लिए भी टूटी सड़क पर सफर करना जोखिम भरा हो सकता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, सड़क की मरम्मत नहीं होने के कारण समस्या लगातार बढ़ रही है। वाहन गुजरने पर धूल के गुबार उठते हैं और आसपास का वातावरण प्रभावित होता है। लोगों को उम्मीद थी कि शिकायत के बाद संबंधित विभाग सड़क की मरम्मत करवाएगा, लेकिन लंबे समय से इंतजार करने के बावजूद राहत नहीं मिली है। टूटी सड़क के कारण यहां कई बार वाहन को संतुलन भी बिगड़ चुका है।

अब तक मरम्मत का काम शुरू नहीं

लोगों का कहना है कि सड़क की समस्या को लेकर प्रशासन के समक्ष शिकायत रखी जा चुकी है। इसके बावजूद अब तक मरम्मत का काम शुरू नहीं हुआ। लोगों ने मांग की है कि संबंधित विभाग मौके का निरीक्षण कर सड़क की स्थिति सुधारे और धूल से राहत दिलाने के लिए जल्द उचित कदम उठाए।

स्थायी समाधान की मांग

स्थानीय लोगों के अनुसार, सड़क पर अस्थायी तौर पर पानी का छिड़काव करने के बजाय इसकी स्थायी मरम्मत करवाई जानी चाहिए। उनका कहना है कि मुख्य सड़क होने के कारण यहां से दिनभर लोगों और वाहनों की आवाजाही रहती है। ऐसे में सड़क की अनदेखी से आमजन की परेशानी बढ़ रही है।

पशु चारे में मिलावट की आशंका डीसी से वैज्ञानिक जांच की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पशु चारे में इस्तेमाल होने वाली सामग्री की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए अब पशुधन और जनस्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए वैज्ञानिक जांच की मांग उठी है।

एक जागरूक नागरिक ने जिला उपायुक्त को शिकायत देकर रोहतक सहित आसपास की मंडियों में बिक रहे पशु चारे के नमूने मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजने की मांग की है। शिकायत के अनुसार, रोहतक, सोनीपत, हिसार, सांपला, झज्जर और फर्रुखनगर की मंडियों में बिकने वाले पशु चारे में तरबूज के छिलके के इस्तेमाल की आशंका जताई गई है। शिकायतकर्ता का दावा है कि यह सामग्री 12 से 14 रुपये प्रति किलो में मिलती है, जबकि चारे के रूप में 31 से 40 रुपये प्रति किलो तक बेची जाती है। हालांकि, इन दावों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। शिकायत में चारे की सामग्री, पोषण मूल्य, पाचन क्षमता और पशुओं के स्वास्थ्य पर संभावित प्रभावों की जांच कराने की मांग की गई है।

रोहतक सहित आसपास की मंडियों में बिक रहे पशु चारे के नमूने मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजने की अपील

सीलबंद नमूना भेजाः साथ ही दूध एवं दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता पर पड़ने वाले प्रभावों का आकलन करने और गड़बड़ी मिलने पर संबंधित निर्माताओं व विक्रेताओं के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की गई है। शिकायत के साथ पशु चारे का सीलबंद नमूना भी संलग्न किया गया है।

महर्षि वाल्मीकि के आदर्श सामाजिक न्याय समानता और मानवता की प्रेरणा : बतरा

■ कांग्रेस भवन में मनाई जयंती, पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक



कांग्रेस भवन में आदिकवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती श्रद्धा, सम्मान और सामाजिक समरसता के संकल्प के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में विधायक भारत भूषण बतरा और कलानौर की विधायक शकुंतला खटक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। विधायक भारत भूषण बतरा ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि भारतीय संस्कृति के महान चिंतक और आदिकवि थे। उनकी रामायण सत्य, करुणा, न्याय, त्याग, कर्तव्य और मानवीय गरिमा का संदेश देती है। आज के समय में उनके विचार सामाजिक असमानता, भेदभाव और आपसी विभाजन को दूर करने के लिए बेहद प्रासंगिक हैं।

कलानौर की विधायक शकुंतला खटक ने कहा कि शिक्षा, स्वाभिमान और सामाजिक न्याय से ही मजबूत समाज का निर्माण संभव है। कांग्रेस के शहरी जिला अध्यक्ष कुलदीप केडी ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि की शिक्षाएं मानवता, प्रेम और समान अधिकारों का संदेश देती हैं। समाज में नफरत और भेदभाव के बजाय आपसी विश्वास और भाईचारे को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। ग्रामीण जिला अध्यक्ष बलवान रंगा ने कहा कि वंचित और कमजोर वर्गों को न्याय, सम्मान तथा आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध कराना लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष कपिल खन्ना, कोषाध्यक्ष बलजीत राणा, जितेंद्र वाल्मीकि, ताराचंद बागड़ी, विकास परमार, महावीर मलिक, सुभाष रोहिल, राजेश हुड्डा, जगजीत सिंह गिल, डॉ. अतर सिंह, देवी सिंह देशवाल, एडवोकेट धर्मवीर कौशल, सतबीर बागड़ी, राज कपूर वाल्मीकि, नवीन, परमिंदर, संजय बिरला, अमर सिंह बिरला आदि मौजूद रहे।

सोलधा में पटाखों का अवैध कारोबार बेनकाब

बहादुरगढ़। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के चलते पटाखों के निर्माण, बिक्री और भंडारण पर प्रतिबंध के बीच पुलिस ने सोमवार देर शाम गांव सोलधा में छापेमारी की। सीआईए और सदर थाना की संयुक्त टीमों ने 2 फैक्ट्री और एक गोदाम में दबिश देकर भारी संख्या में तैयार व अर्धनिर्मित पटाखे व बारूद सहित अन्य सामान बरामद किया। देर रात तक पुलिस टीम बरामद सामान की गिनती करने और फैक्ट्री मालिक की जानकारी जुटाने में लगी रही।

2 फैक्ट्रियों और एक गोदाम पर छापा, भारी संख्या में पटाखे व बारूद बरामद

जानकारी के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि गांव सोलधा में पटाखे बनाने के साथ भंडारण किया जा रहा है। इस पर पुलिस हरकत में आई और मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान तीनों स्थानों पर पटाखों की बड़ी संख्या में पेटियां मिलीं। दिवाली पर इनकी बाजारों में सप्लाई की जानी थी। इससे पहले ही पुलिस ने छापा मार दिया। एक ही व्यक्ति की ये फैक्ट्रियां और गोदाम बताए जा रहे हैं। कब से यहां यह काम चल रहा है और कौन-कौन जुड़ा है, आदि जांच का विषय है। बरामद सामान की सही मात्रा और मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की पुष्टि पुलिस की जांच के बाद ही होगी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में फिलहाल जांच की जा रही है। नियमों के अनुसार एफआईआर भी दर्ज की जाएगी।बता दें कि दीपावली के दौरान आतिशबाजी के कारण दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण गंभीर स्तर तक पहुंच जाता है।



रोहतक। खेलकूद प्रतियोगिता में विजेताओं खिलाड़ियों को सम्मानित करते उपायुक्त सतबीर सिंह। फोटो : हरिभूमि

ग्रामीण प्रतिभाओं को सही मार्गदर्शन और अवसर देना जरूरी : उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

उपायुक्त सतबीर सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों में प्रतिभा की कमी नहीं है। उन्हें सही मार्गदर्शन, संसाधन और अवसर मिलें तो वे ऊंचे मुकाम हासिल कर सकते हैं। वह रविवार को गांव जिंदरान में उत्थान युवा विकास समिति की ओर से आयोजित प्रतिभा सम्मान एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने गांव में समिति की लाइब्रेरी का उद्घाटन किया और इसके सुधार एवं विस्तार से जुड़ी मांगों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का प्रयास करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण युवाओं को सफल व्यक्तियों से प्रेरणा लेकर लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए और मेहनत से उन्हें हासिल करना चाहिए।

सतबीर सिंह ने युवाओं से नशे से दूर रहने तथा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए खेलकूद, योग और ध्यान को दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है। विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों के साथ ज्ञानवर्धक साहित्य भी पढ़ना चाहिए। इससे ज्ञान और व्यक्तित्व का विकास होता है।

सम्मानित किया

कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प को सफलता का आधार बताया। इस अवसर पर डीडीपीओ राजपाल चहल, जिला समाज कल्याण अधिकारी महाबीर गोदारा, समिति प्रधान जोगेंद्र, सरपंच प्रोमिला सहित ग्रामीण और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौबीसी चबूतरे पर फैसला, निंदाना तपा के प्रधान सुरजमल राठी की अध्यक्षता में बैठक

अजमेर गोयत बने महम चौबीसी सर्वखाप पंचायत के प्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

चौबीसी चबूतरे पर सोमवार को चौबीसी सर्वखाप पंचायत की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में खाप का नया प्रधान चुना गया। बैठक की अध्यक्षता निंदाना तपा के प्रधान सुरजमल राठी ने की। बैठक का संचालन मोखरा तपा प्रधान रामकिशन मलिक व खाप महासचिव रामफल राठी ने किया।

अजीत गोयत ने अजमेर गोयत को खाप प्रधान बनाए जाने का प्रस्ताव रखा। बैठक में मौजूद सभी लोगों ने अजमेर गोयत के नाम का अनुमोदन किया। मोखरा तपा के प्रधान रामकिशन मलिक ने नए प्रधान का पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। नवनियुक्त प्रधान ने चौबीसी चबूतरे पर दीप प्रज्ज्वलित कर स्वतंत्रता आंदोलन के शहीदों को नमन किया। वक्ताओं ने कहा कि वे नए प्रधान से निष्पक्षता, ईमानदारी, निष्ठा और लग्न से काम करने की उम्मीद रखते हैं। महम चौबीसी सर्वखाप पंचायत का बहुत ऊंचा नाम है। वे नव नियुक्त प्रधान से इस खाप की गरीमा बरकरार रखने की उम्मीद रखते हैं। प्रधान ने कहा कि वे चौबीसी सर्वखाप पंचायत की गरीमा को ठेस नहीं लगने देंगे। इस मौके पर महासचिव रामफल राठी, खाप प्रवक्ता संदीप नहरा, कृष्ण सिवाच, मोखरा तपा के प्रधान रामकिशन मलिक, नीटू राठी लाखन माजरा, जगबीर पहलवान खरैंटी, संजय शर्मा, धर्म गोयत, विजय गोयत, धर्मबीर गोयत व सन्नी गोयत समेत महम क्षेत्र के कई मौजिज व्यक्ति मौजूद थे।



महम। चौबीसी चबूतरे पर दीप प्रज्ज्वलित कर शहीदों को नमन करते नवनियुक्त खाप प्रधान अजमेर गोयत। फोटो : हरिभूमि

अब महम में कोई सर्वमान्य खाप प्रधान नहीं

महम में चौबीसी खाप का एक चबूतरा है। यह चबूतरा स्वतंत्रता आंदोलन के शहीदों की याद में बनाया गया है। शुरूआत में यह चबूतरा मात्र शहीदों का स्मृति स्थल था। कालांतर में महम चौबीसी सर्वखाप पंचायत यहां पर पंचायतों का आयोजन करने लगी। उसके बाद इसे चौबीसी खाप का चबूतरा कहा जाने लगा। यहां की खाप के पंचायती लोग इतने न्यायकारी होते थे, कि उनके फैसले लोकप्रिय होने लगे। इस इलाके के लोगों की खाप पंचायत के प्रति इतनी श्रद्धा बढ़ गई कि यह स्थल पूजा का स्थल बन गया। लोग कोई भी शुभ कार्य करते तो उसकी शुरूआत यहीं से होने लगी। पिछले कुछ दशक में कोई सर्वमान्य प्रधान नहीं रहा।

पिछले कुछ दशक में खाप प्रधानों की बाढ़ सी आई

कुछ दशक पहले तक महम चौबीसी सर्वखाप पंचायत का एक सर्वमान्य प्रधान होता था। लेकिन पिछले कुछ दशक में कोई सर्वमान्य प्रधान नहीं रहा। स्वयंभू खाप प्रधानों की बहार आई हुई है। कोई भी व्यक्ति अपने कुछ समर्थकों के साथ चौबीसी चबूतरे पर पहुंचता है और उसके समर्थकों द्वारा चौबीसी खाप प्रधान की पगड़ी उसको पहना दी जाती है। चबूतरे पर दीप जलाया जाता है और नए प्रधान की घोषणा कर दी जाती है। पिछले कुछ सालों में खाप प्रधानों की बाढ़ सी आई हुई है। सोमवार को भी एक नए खाप प्रधान का चुनाव किया गया। इस बार फिर वही पगड़ी पहनाई गई और चबूतरे पर दीप जलाया गया। यह भी खास बात है कि सभी प्रधान अपने आपको असली प्रधान बताते हैं। राजनैतिक दलों ने भी महम में अपने अपने अलग अलग प्रधान बनाए हुए हैं। जब चुनाव में जरूरत पड़ती है तो खाप का समर्थन दिखाने के लिए उनको मंच पर बैठा लिया जाता है।



रोहतक। आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते उपायुक्त सतबीर सिंह।

चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एथलेटिक्स चैंपियनशिप में छाए म्हारे खिलाड़ी

जैवलिन थ्रो में वरुण भांभू ने 71.20 मीटर भाला फेंककर नया नेशनल रिकॉर्ड बनाया

अंडर-16 लड़कों की 1000 मीटर स्प्रिंट मेडले रिले टीम ने कई रिकॉर्ड तोड़कर स्वर्ण पदक जीते

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में चल रही 41वीं नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप-2026 में हरियाणा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नेशनल रिकॉर्ड बनाया और कई पदक जीते। अंडर-16 लड़कों की 1000 मीटर स्प्रिंट मेडले रिले टीम ने राष्ट्रीय और मीट रिकॉर्ड तोड़कर स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं, अंडर-14 लड़कों के किड्स जैवलिन थ्रो में हरियाणा के वरुण भांभू ने 71.20 मीटर भाला फेंककर नया नेशनल रिकॉर्ड बनाया।

खेल मीडिया प्रभारी सत्यवीर धनखड़ ने बताया कि अंडर-16 लड़कों की रिले टीम ने एक मिनट 54.38 सेकेंड का समय निकालकर पुराना नेशनल रिकॉर्ड एक मिनट 56.95 सेकेंड तोड़ दिया। टीम में शिवम, गौरांश सैनी, अंशुल और सौर्या शामिल रहे। तमिलनाडु ने रजत और तेलंगाना ने कांस्य पदक जीता। इन दोनों टीमों ने भी पुराना रिकॉर्ड पीछे छोड़ा। अंडर-14 किड्स जैवलिन थ्रो में वरुण ने 71.20 मीटर का थ्रो किया। उन्होंने भुवनेश्वर में भिक्य बरमन के नाम दर्ज 60.65 मीटर के रिकॉर्ड को 10 मीटर से अधिक के अंतर से तोड़ा। उत्तर प्रदेश के विनय बानिया ने 62.17 मीटर के साथ रजत और बिहार के राहुल कुमार ने 58.55 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता।



दौड़ में निशांत ने कांस्य पदक जीता

अंडर-20 लड़कों की 3000 मीटर दौड़ में निशांत करहाना ने 8 मिनट 22.18 सेकेंड के समय के साथ कांस्य पदक जीता। अंडर-14 लड़कियों की जैवलिन थ्रो स्पर्धा में आराध्या सिंह ने 38.14 मीटर भाला फेंककर कांस्य पदक हासिल किया। रिले स्पर्धाओं में हरियाणा की लड़कियों ने भी दो रजत पदक जीते। अंडर-16 टीम में मीनाक्षी, अनुष्का, गुंजन दलाल और आशी शर्मा ने 2 मिनट 15.52 सेकेंड का समय निकाला। अंडर-18 टीम में अंजली, महक श्योराण, ईशु और लक्षिता ने 2 मिनट 12.85 सेकेंड में दौड़ पूरी की। एथलेटिक्स हरियाणा के महासचिव प्रदीप मलिक ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की जानकारी दी। राजकुमार मितान और एथलेटिक्स हरियाणा के अध्यक्ष दिलबाग सिंह ने रिकॉर्ड बनाने वाले और पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को बधाई दी।

अस्मिता रग्बी में जींद की लड़कियों ने दोनों वर्गों में जीते स्वर्ण पदक

रोहतक। जींद की टीम ने अस्मिता रग्बी राज्य प्रतियोगिता में अंडर-15 और अंडर-18 दोनों आयु वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर दोहरी सफलता हासिल की। जींद के आधारशिला पब्लिक स्कूल में 24 और 25 अक्टूबर को आयोजित प्रतियोगिता में अंडर-15 वर्ग में भिवानी ने रजत और चरखी दादरी ने कांस्य पदक जीता। अंडर-18 वर्ग में हिसार को रजत और चरखी दादरी को कांस्य पदक मिला। खेल मीडिया प्रभारी सत्यवीर धनखड़ ने बताया कि दो दिवसीय प्रतियोगिता में प्रदेशभर की लड़कियों ने भाग लिया। दूसरे दिन सेमीफाइनल और निर्णायक मुकाबले खेले गए। खिलाड़ियों ने खेल कौशल और अनुशासन का प्रदर्शन किया। जींद रग्बी संघ के सचिव मुनीत बेरवाल ने बताया कि अंडर-15 वर्ग में जींद ने पहला, भिवानी ने दूसरा और चरखी दादरी ने तीसरा स्थान हासिल किया। अंडर-18 वर्ग के फाइनल में जींद ने हिसार को हराकर स्वर्ण पदक जीता। इस वर्ग में चरखी दादरी ने भिवानी को हराकर कांस्य पदक हासिल किया। समापन समारोह में समाजसेवी कुलदीप रंधावा, एथलेटिक्स हरियाणा के अध्यक्ष दिलबाग सिंह, रग्बी हरियाणा के सचिव सुशील कुमार, सह सचिव बबीता सिंह और आधारशिला स्कूल की निदेशक अंजू सिहाग ने विजेता खिलाड़ियों को पदक और ट्रॉफियां देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता के संचालन में तकनीकी अधिकारियों राजेंद्र डीपीई, सुदेश तक्षक, गौरव आश्री, कृष्ण सिंगरोहा, जोगेंद्र नेहरा, राजेश तक्षक, नवजोत सिंहमार और प्रदीप लाठर ने भूमिका निभाई। आयोजन में विभिन्न जिलों के रग्बी पदाधिकारी और खेलप्रेमी भी मौजूद रहे।



एमडीयू ने 102 रन से जीता मुकाबला, जाट कॉलेज 8 विकेट से विजयी

रोहतक। एमडीयू में आयोजित इंटर कॉलेज क्रिकेट टूर्नामेंट में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। सोमवार को खेले गए टी-20 मुकाबलों में यूटीडी एमडीयू की टीम ने सीआरएसएसआईईटी, झज्जर को 102 रन से पराजित किया, जबकि दूसरे मुकाबले में जाट कॉलेज की टीम ने डीएवी कॉलेज को आठ विकेट से हराकर जीत दर्ज की। क्रिकेट कोच मुकेश गोयल ने बताया कि पहले मुकाबले में यूटीडी एमडीयू की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 199 रन बनाए। टीम की ओर से अभिषेक चौधरी ने 43 गेंदों में 54 रन और अभिषेक शिवराण ने 43 गेंदों में 56 रन की शानदार पारियां खेलीं। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सीआरएसएसआईईटी, झज्जर की टीम 17 ओवर में 97 रन पर ऑलआउट हो गई। यूटीडी की ओर से कृष्णा ने तीन विकेट लेकर विपक्षी टीम को समेटने में अहम भूमिका निभाई, जबकि अभिषेक चौधरी ने भी तीन विकेट हासिल किए। इस तरह यूटीडी एमडीयू ने 102 रन से बड़ी जीत दर्ज की। दूसरे मुकाबले में डीएवी कॉलेज की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 16 ओवर में 59 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम की ओर से सुमित ने 44 गेंदों में 31 रन बनाए। इसके जवाब में जाट कॉलेज की टीम ने 7.4 ओवर में दो विकेट खोकर 63 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। जाट कॉलेज की ओर से दीपांशु भौरद्वाज ने 13 गेंदों में 16 रन और अभिनव ने नौ गेंदों में 16 रन बनाकर टीम को जीत दिलाने में योगदान दिया। जाट कॉलेज ने यह मुकाबला आठ विकेट से जीता।





रोहतक। आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेते प्रतिभागी।

उत्सव टेकफ्यूजन : शतरंज व रंगोली में दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

वैश्य कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में रविवार को शुरू हुए अंतर-महाविद्यालय तकनीकी-प्रबंधन उत्सव टेकफ्यूजन-2026 के पहले दिन विद्यार्थियों ने तकनीकी कौशल, खेल प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। 10 से अधिक महाविद्यालयों के 800 से अधिक विद्यार्थी 26 से 28 अक्टूबर तक चलने वाले उत्सव की 51 प्रतियोगिताओं में भाग ले रहे हैं। पहले दिन क्रॉस फायर, किल स्विच, शतरंज, युगल क्रिकेट, रंगोली और नृत्य प्रतियोगिताएं आकर्षण का केंद्र रहीं। उद्घाटन समारोह में वैश्य शिक्षण संस्थान के प्रधान विकास गोयल, कोषाध्यक्ष पवन मित्तल खरकिया, मुख्य अतिथि प्रमोद बंसल और सोसाइटी के सह-सचिव अनिल बंसल उपस्थित रहे। दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती की वंदना के बाद प्रतियोगिताएं शुरू हुईं। तकनीकी श्रेणी में क्रॉस फायर, किल स्विच, हू किल्ड द सर्वर?, आविष्कार एरीना और अर्निंग बाय लर्निंग प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने तर्क क्षमता, तकनीकी समझ और समस्या समाधान कौशल का प्रदर्शन किया। अर्निंग बाय लर्निंग में विद्यार्थियों ने खाने-पीने की वस्तुओं के स्टॉल लगाकर बिक्री की और उद्यमशीलता का अनुभव लिया। खेल प्रतियोगिताओं में टेबल टेनिस, बैडमिंटन, शतरंज और युगल क्रिकेट के मुकाबले हुए। वहीं, फोटोग्राफी, मेहंदी, पोस्टर निर्माण, रंगोली, कोलाज निर्माण, सामूहिक नृत्य, युगल नृत्य और वोल्टा फेस जैसी सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने भाग लिया।



रोहतक। प्रस्तुति देती छात्राएं।

ऐसे मंच छात्रों को प्रतिभा निखारने का देते हैं मौका

संस्थान के प्रधान विकास गोयल ने कहा कि टेकफ्यूजन विद्यार्थियों को तकनीकी और रचनात्मक प्रतिभा निखारने का मंच देता है। मुख्य अतिथि प्रमोद बंसल ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए किताबी ज्ञान के साथ नेतृत्व क्षमता, तकनीकी दक्षता और सामूहिक कार्य का अनुभव भी जरूरी है। कोषाध्यक्ष पवन मित्तल खरकिया ने उत्सव को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने का अवसर बताया। कॉलेज प्राचार्य डॉ. दीपक कुमार गोयल ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को नई चीजें सीखने और चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करते हैं।

न्यूज डायरी



पठानिया पब्लिक स्कूल में नन्हे विद्यार्थियों ने रोल प्ले प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

रोहतक। पठानिया पब्लिक स्कूल में जूनियर केजी और सीनियर केजी के विद्यार्थियों के लिए रोल प्ले प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें नन्हे विद्यार्थियों ने सुपर हीरो और पौराणिक पात्रों का रूप धारण कर अपनी रचनात्मकता, अभिनय कौशल और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में बच्चों ने स्पाइडर-मैन, सुपरमैन, आयरन मैन, एल्सा, सिंघम, श्रीकृष्ण, मां दुर्गा, माता सीता, माता पार्वती और मां सरस्वती सहित विभिन्न पात्रों की वेशभूषा में आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। सुंदर वेशभूषा, प्रभावशाली संवादों और आत्मविश्वास से बच्चों ने सभी का मन मोह लिया। निर्णायक मंडल में दीपिका चौधरी, सुषमा बत्रा, सीमा अत्री, डॉ. प्रियंका भारद्वाज और रम्मी आहुजा शामिल रहीं। प्रतियोगिता में अमायरा पठानिया, अबीर पठानिया, आरुष, मायरा, अधिरा, वैराज, अभिनव, गुरांश चावला और इवान का उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए चयन किया गया। स्कूल की सह-संस्थापक वर्षा पठानिया, प्रबंध निदेशक अंशुल पठानिया, प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया, उपप्रधानाचार्या सुनीता मोर और मुख्य अध्यापिका सुमन राठी ने बच्चों की सराहना की।



दुहन स्कूल की नीरल कौशिक ने राष्ट्रीय ग्रैपलिंग चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

रोहतक। दुहन पब्लिक स्कूल, जसिया की छात्रा नीरल कौशिक ने 19वीं राष्ट्रीय ग्रैपलिंग चैंपियनशिप 2026 में स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया। नीरल ने अंडर-19 वर्ग की कुश्ती प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए यह उपलब्धि हासिल की। राष्ट्रीय स्तर की यह प्रतियोगिता 24 से 26 अक्टूबर तक हरिद्वार स्थित वंदना कटारिया अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में आयोजित की गई। नीरल कौशिक गांव बोहर निवासी योगेश की बेटी हैं। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, विद्यालय और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। विद्यालय के निदेशक डॉ. अशोक दुहन ने नीरल को बधाई देते हुए उनकी मेहनत, लगन और खेल भावना की सराहना की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतना गौरव की बात है। यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों को भी खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। विद्यालय प्रबंधन और समस्त स्टाफ ने नीरल कौशिक को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। छात्रा की इस सफलता को विद्यालय के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

साइबर अपराधों से बचने के लिए जागरूकता और सतर्कता सबसे बड़ा हथियार : एसपी

रोहतक। साइबर अपराधों से बचने के लिए जागरूकता और सतर्कता सबसे बड़ा हथियार है। साइबर अपराधी ठगी के नए-नए तरीके अपना रहे हैं, ऐसे में आमजन को सावधान रहना जरूरी है। रोहतक पुलिस अधीक्षक गौरव राजपुरोहित ने साइबर ठगी से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी कर लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। एसपी ने कहा कि अनजान नंबर से आए लिंक, फोटो और व्हाट्सएप ऑडियो-वीडियो कॉल से सावधान रहें। किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर मोबाइल में एप डाउनलोड न करें और बैंक खाते, एटीएम कार्ड, सीवीवी व अन्य गोपनीय जानकारी साझा न करें। फर्जी ई-चालान, इनकम टैक्स रिफंड और 5जी नेटवर्क अपडेट के नाम पर आने वाले संदेशों पर भरोसा न करें। उन्होंने कहा कि टेलीग्राम पर घर बैठे कमाई के लालच में न आएं। ऑनलाइन कस्टमर केयर नंबर संबंधित कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट से ही लें। ऑनलाइन खरीदारी करते समय वेबसाइट की सुरक्षा भी जांचें और मोबाइल में ऑटो-डाउनलोड विकल्प बंद रखें। एसपी ने बताया कि साइबर ठगी होने पर तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं।

बालाजी धाम में शरद पूर्णिमा पर विशाल भंडारा संकीर्तन और निःशुल्क स्वास्थ्य जांच कैंप लगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर गांव डोभ स्थित श्री बालाजी धाम में विशाल भंडारा, संकीर्तन, भक्त मेला एवं निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन-यज्ञ और श्री हनुमान चालीसा के पाठ से हुआ। श्री बालाजी धाम के संस्थापक एवं प्रधान पुरुषोत्तम दास बंसल ने बताया कि धाम में प्रत्येक पूर्णिमा पर संकीर्तन, भंडारा, भक्त मेला और स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया जाता है। इसमें दूर-दराज से श्रद्धालु पहुंचकर श्री बालाजी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। कार्यक्रम में वाणी भूषण महासाध्वी श्री सुरुचि जी महाराज, जैन मंदिर डोभ और दीपांशु सुहाग, पुत्र सरपंच मुकेश देवी, मुख्य यजमान के रूप में शामिल हुए। भजन गायक राजू परूथी जुलाना, नरेंद्र भारद्वाज भिवानी और पूनम सेन रोहतक ने भजनों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध किया। रिंकू महादेव की आकर्षक झांकियों ने भी सभी का मन मोह लिया। स्वास्थ्य शिविर में नेत्र, दंत और कान-नाक-गला संबंधी जांच की गई। साथ ही विशेषज्ञ चिकित्सकों ने परामर्श दिया और दवाइयां, चश्मे तथा एक्यूप्रेशर सेवा निशुल्क उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर विनोद गुप्ता, रमेश गुप्ता, मनमोहन धारीवाल, रवि चिटकारा, नरेश कौशिक, अमन कौशिक, सोनू निमड़ी, अमित कौशिक, कविता निमड़ी, ममता सहित धाम मंडल के सदस्य और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।



रोहतक। कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुति देते कलाकार। फोटो: हरिभूमि



बाल भारती विद्यापीठ गोहाना बनी राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता की संयुक्त विजेता

रोहतक। भारत विकास परिषद, हरियाणा मध्य प्रांत की प्रांतीय स्तरीय राष्ट्रीय समूहगान हिंदी एवं संस्कृत गीत गायन प्रतियोगिता का आयोजन गोपाल विद्या मंदिर स्कूल में जयंती शाखा जींद की ओर से किया गया। प्रतियोगिता में बाल भारती विद्यापीठ गोहाना की टीम संयुक्त विजेता रही। यह टीम 15 नवंबर को कुरुक्षेत्र में आयोजित क्षेत्रीय राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता में भाग लेगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आरटीआई कमिश्नर कर्मवीर सैनी और नगर परिषद जींद की चेयरपर्सन अनुराधा सैनी रहे। क्षेत्रीय महासचिव राकेश शर्मा का मार्गदर्शन मिला, जबकि प्रांतीय अध्यक्ष दीपक जिंदल ने अध्यक्षता की। संस्कृत गीत गायन में एसडी विद्या मंदिर पानीपत ने प्रथम, शिवा शिक्षा सदन सोनीपत ने द्वितीय और एसएमआर स्कूल सफीदों ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। हिंदी समूहगान में आरपीएस स्कूल रोहतक प्रथम, बाल भारती विद्यापीठ गोहाना द्वितीय और एसएमआर स्कूल सफीदों तृतीय स्थान पर रहे। संयुक्त परिणाम में बाल भारती विद्यापीठ गोहाना विजेता बनी। प्रतियोगिता में हिंदी और संस्कृत की 20-20 टीमों ने भाग लिया। अतिथियों ने विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों में देशभक्ति, अनुशासन और भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान की भावना विकसित करती हैं।

शिक्षा भारती विद्यालय में नौ विषयों की संकुल स्तरीय कार्यशाला में दिए टिप्स

रोहतक। बहु अकबरपुर स्थित शिक्षा भारती विद्यालय में सोमवार को रोहतक संकुल की नौ विषयों की कार्यशाला आयोजित की गई। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान एवं हिंदू शिक्षा समिति के तत्वावधान में आयोजित कार्यशाला में संकुल के 12 विद्यालयों के 222 आचार्यों ने भाग लिया।



कार्यशाला में उत्तर क्षेत्र सह संगठन मंत्री बालकिशन, अनिल कुलश्रेष्ठ, सोमदत्त शर्मा, सोमनाथ, संकुल प्रमुख अश्विनी और विद्यालय प्रधानाचार्य डॉ. मंजीत मलिक उपस्थित रहे। इसका उद्देश्य शिक्षकों के विषयगत ज्ञान को बढ़ाना और नवीन शिक्षण विधियों से परिचित कराना रहा। बालकिशन ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति को भारतीय ज्ञान परंपरा के अनुरूप लागू करना सभी का दायित्व है। विद्या भारती की पंचपदीय शिक्षण पद्धति से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार किया जा सकता है। अनिल कुलश्रेष्ठ ने शिक्षकों से आधुनिक शिक्षण विधियों को अपनाने और समय के साथ अपने ज्ञान को अद्यतन करने का आह्वान किया। कार्यशाला में हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, कंप्यूटर, वाणिज्य और शिशु वाटिका विषयों पर चर्चा हुई। समापन पर संकुल प्रमुख अश्विनी ने अतिथियों और आचार्यों का आभार जताया।

वाल्मीकि की शिक्षाएं एकता का प्रतीक : केशव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि वाल्मीकि महाराज की शोभायात्रा का विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। इस दौरान धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक गौरव और सामाजिक समरसता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। विश्व हिंदू परिषद के जिला समरसता प्रमुख अमित ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि भारतीय संस्कृति के महान ऋषि और आदिकवि थे। उन्होंने रामायण की रचना कर समाज को भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन, कर्तव्य, त्याग और मर्यादा की शिक्षा दी।



वाल्मीकि ने छुआछूत, ऊंच-नीच और जातिगत भेदभाव मिटाया

वाल्मीकि के विचार आज भी मानवता, सद्भाव और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री केशव भारद्वाज ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि की शिक्षाएं समाज को एकता, समानता और भाईचारे का मार्ग दिखाती हैं। समाज को छुआछूत, ऊंच-नीच और जातिगत भेदभाव से ऊपर उठकर प्रत्येक व्यक्ति का सम्मान करना चाहिए। आपसी प्रेम, सहयोग और विश्वास से ही मजबूत समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने कहा कि महापुरुषों की शिक्षाओं को केवल धार्मिक आयोजनों तक सीमित न रखकर अपने व्यवहार में भी अपनाना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

आईआईएम में सम्मेलन : शिक्षा जगत और उद्योग के बीच तालमेल बनाने को लेकर की चर्चा

एआई और बदलते बाजार में नेतृत्व की चुनौतियों पर मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रोहतक में आयोजित मैनेजमेंट कॉन्फ्रेंस 2026 में कारोबार के बदलते नियमों, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और रोजगार के भविष्य पर चर्चा हुई। 'बिजनेस के नए नियमः निरंतर बदलाव के दौर में शिक्षा जगत और उद्योग के बीच तालमेल' विषय पर हुए सम्मेलन में 50 से अधिक उद्योग विशेषज्ञों और शिक्षाविदों ने हिस्सा लिया। पीजीपी के 600 से अधिक विद्यार्थियों को उद्योग प्रतिनिधियों से संवाद का अवसर मिला। संस्थान के निदेशक प्रो. धीरज शर्मा ने कहा कि संगठनों को स्थिरता और बदलाव के बीच संतुलन बनाना चाहिए। बदलाव तभी उपयोगी है, जब उसका उद्देश्य स्पष्ट हो और यह समझ हो कि उसे कब तथा क्यों अपनाना है। उन्होंने जवाबदेही, अनुशासन और ईमानदारी को पेशेवर सफलता के लिए जरूरी बताया।



पैनल तैयार करेगा कॉन्सेप्ट पेपर

आईआईएम पैनल चर्चाओं के निष्कर्षों के आधार पर कॉन्सेप्ट पेपर तैयार करेगा। इसमें उद्योग जगत, नीति निर्माताओं और शिक्षा क्षेत्र के लिए सुझाव शामिल होंगे। संस्थान में 1,600 से अधिक विद्यार्थी पढ़ते हैं। संस्थान शिक्षा, शोध और नीतिगत सहभागिता के जरिए प्रबंधन शिक्षा तथा नेतृत्व विकास मजबूत करना चाहता है।

परिस्थितियों के अनुरूप तैयार रहना जरूरी

सम्मेलन में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज, एचडीएफसी पेंशन फंड मैनेजमेंट और कोकुयो कैमलिन के अधिकारियों सहित कंपनियों के प्रतिनिधियों ने अनुभव साझा किए। चर्चाओं में नवाचार, साझेदारियों, प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त और रणनीतिक नेतृत्व की भूमिका पर विचार हुआ। चार पैनल चर्चाओं में वित्तीय जोखिमों, कारोबार की वृद्धि, कार्यसंस्कृति और डिजिटल युग में करियर के अवसरों पर मंथन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि एआई को मानवीय क्षमताओं के साथ जोड़ना, नए कौशल सीखना और बदलती परिस्थितियों के अनुरूप खुद को तैयार करना जरूरी है। समस्या समाधान, जिज्ञासा और सहयोगात्मक नेतृत्व को भी भविष्य के कार्यस्थलों के लिए अहम बताया गया।

एमडीयू में परिवर्तित अर्धचालकों के इलेक्ट्रॉनिक परिवहन गुणों पर हो रहा शोध

अर्धचालकों के गुणों की खोज से बेहतर होगी बैटरी और एलईडी की तकनीक, नई पीढ़ी के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बन सकेंगे हाईटेक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

खास खबर

मोबाइल, कंप्यूटर, एलईडी, बैटरी और आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की तकनीक में अर्धचालकों (सेमीकंडक्टर) की अहम भूमिका है। इनके इलेक्ट्रॉनिक गुणों को समझना बेहतर उपकरणों के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। एमडीयू के भौतिकी विभाग के प्रो. राजेश पूनिया परिवर्तित अर्धचालकों के इलेक्ट्रॉनिक परिवहन गुणों पर शोध कर रहे हैं। अध्ययन का केंद्र यह समझना है कि इन पदार्थों में इलेक्ट्रॉनों की गति और विद्युत व्यवहार किस प्रकार प्रभावित होते हैं। अर्धचालकों के इन गुणों की बेहतर समझ भविष्य में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, प्रकाश तकनीक और ऊर्जा से जुड़ी प्रणालियों के विकास में उपयोगी हो सकती है। शोध के क्षेत्र में उनके योगदान को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है। उन्हें स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से जुड़ी विश्व के शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की वर्ष 2026 की सूची में लगातार दूसरे साल स्थान मिला है।

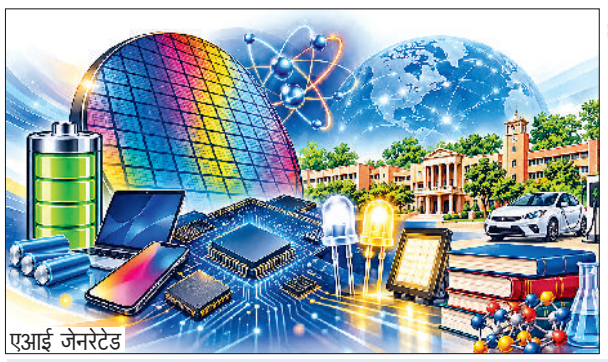
एआई जेनरेटेड

शोधकर्ता प्रो. पूनिया विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की सूची में शामिल


180 से अधिक शोध-पत्र प्रकाशित, 11 शोधार्थियों का पीएचडी में मार्गदर्शन

20 वर्षों का शोध अनुभव

प्रोफेसर डॉ. पूनिया के पास 20 से अधिक वर्षों का गहन शोध व अध्यापन अनुभव है। उनका मुख्य शोध क्षेत्र 'परिवर्तित अर्धचालकों के इलेक्ट्रॉनिक परिवहन गुणों' पर केंद्रित है। उन्होंने अब तक 180 से अधिक उच्च गुणवत्ता वाले शोध-पत्र (जिनका औसत इम्पैक्ट फैक्टर 3 से अधिक है) प्रकाशित किए हैं। इसके अलावा उन्होंने 6 पुस्तक-अध्याय, 40 से अधिक कॉन्फ्रेंस प्रस्तुतियां दी हैं तथा 100 से ज्यादा आमंत्रित व्याख्यान दिए हैं। उनके नाम 2 पेटेंट (1 स्वीकृत एवं 1 प्रकाशित) दर्ज हैं। उनके कुशल मार्गदर्शन में 11 शोधार्थी अपनी पीएच.डी. पूरी कर चुके हैं, जबकि 8 शोधार्थी वर्तमान में अपना शोध कार्य कर रहे हैं। वर्तमान में वे 6.33 करोड़ रुपये की लागत वाली प्रतिष्ठित डीएसटी-पर्स 2024 परियोजना के उप-समन्वयक के रूप में सेवाएं दे रहे हैं।

प्रशासनिक दक्षता : डॉ. पूनिया एमडीयू रोहतक, सीआरएसयू (जींद), आईजीयू (मीरपुर) और जीजेयूएसटी (हिसार) जैसे राज्य के शीर्ष संस्थानों में रजिस्ट्रार, डीन, निदेशक, विभागाध्यक्ष, सुरक्षा प्रभारी, प्रॉक्टर, खेल निदेशक, युवा कल्याण निदेशक और रेडिएशन सेफ्टी ऑफिसर जैसे अहम दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया है। वे तीन बार गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी टीचर्स एसोसिएशन (हिसार) के अध्यक्ष और 2009 से 2019 तक चौधरी देवीलाल विचार मंच के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

शोध के संभावित फायदे

- **बैटरी तकनीक :** अर्धचालक पदार्थों के गुणों की समझ ऊर्जा के भंडारण और रूपांतरण से जुड़ी नई तकनीकों के विकास में उपयोगी हो सकती है।
- **एलईडी तकनीक :** अर्धचालकों में इलेक्ट्रॉनों के व्यवहार का अध्ययन प्रकाश उत्सर्जित करने वाले उपकरणों के प्रदर्शन को बेहतर समझने में मदद करेगा।
- **इलेक्ट्रॉनिक उपकरण :** अर्धचालकों की विद्युत चालकता और आवेश प्रवाह की बेहतर समझ से उन्नत इलेक्ट्रॉनिक उपकरण विकसित करने में मदद मिल सकती है।
- **ऊर्जा दक्षता :** उपयुक्त पदार्थों के चयन और उनके गुणों के अनुकूलन से कुछ उपकरणों में ऊर्जा की खपत घटाने की संभावनाएं तलाश की जा सकती हैं।
- **नई तकनीकों का विकास :** यह शोध भविष्य में अर्धचालक आधारित सेंसर, इलेक्ट्रॉनिक चिप और ऊर्जा रूपांतरण प्रणालियों के लिए उपयोगी वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध करा सकता है।
- इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्रदर्शन में सुधार होगा।

एसआईआर पर कांग्रेस के दुष्प्रचार के खिलाफ भाजपा प्रदेशाध्यक्ष का तीखा प्रहार

उपायुक्त की मदद से दीपेंद्र वोट चोरी कर बने जनप्रतिनिधि: डॉ. अर्चना गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास सत्ता के लिए लोकतंत्र और मतदाताओं के अधिकारों पर डाका डालने का रहा है। वर्ष 1975 में इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा चुनाव अवैध ठहराए जाने के बावजूद इंदिरा गांधी ने प्रधानमंत्री बने रहने के लिए आपातकाल थोपकर करोड़ों देशवासियों के लोकतांत्रिक अधिकार छीन लिए। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2009 में रोहतक लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी दीपेंद्र सिंह हुड्डा डीसी झज्जर की विशेष मदद से वोट चोरी कर सांसद बने। उन्होंने कहा कि दशकों तक जनता की आवाज दबाकर शासन करने वाली कांग्रेस को देशवासी कभी माफ नहीं करेंगे। सोमवार को 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान' के तहत भाजपा कार्यालय मंगल कमल में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए डॉ. गुप्ता ने विपक्षी दलों पर हमला बोला। उनके साथ प्रदेश महामंत्री गोपाल शर्मा, सत्यप्रकाश जरावता व वेद फुल्ला, भाजपा जिलाध्यक्ष रणबीर ढाका और प्रदेश मीडिया सहप्रभारी शमशेर खरक, जिला मीडिया प्रभारी पंकज भारद्वाज उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री बने रहने के लिए इंदिरा ने लोकतंत्र चुराया


रोहतक। पत्रकारों से बातचीत करती डॉ. अर्चना गुप्ता व अन्य पदाधिकारी।

दीपेंद्र स्पष्ट करें तत्कालीन डीसी से क्या-क्या मदद मांगी

उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के पुत्र एवं कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में डीसी रोहतक को विशेष मदद मिलने की बात कहे जाने पर भी जवाब मांगा। उन्होंने पूछा कि यह विशेष मदद आखिर क्या थी? क्या उनके पक्ष में जबरन वोट डलवाए गए, बूथ कैप्चर करवाए गए या मृतकों और बाहर रह रहे मतदाताओं के वोट डलवाए गए? दीपेंद्र स्पष्ट करें कि तत्कालीन डीसी ने उनकी क्या-क्या मदद की थी।

आपातकाल में कुचले लोकतांत्रिक अधिकार

डॉ. गुप्ता ने कहा कि आपातकाल में लोकतांत्रिक अधिकार कुचले गए, प्रेस की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया गया और विपक्षी नेताओं को जेलों में डाल दिया गया। उन्होंने सवाल किया कि आज लोकतंत्र की दुहाई देने वाली कांग्रेस अपने इस काले अध्याय पर जवाब क्यों नहीं देती? सत्ता बचाने के लिए देश को लोकतंत्र की चोरी का दंश देने वाली कांग्रेस ने आज तक इसके लिए माफी क्यों नहीं मांगी? ईवीएम पर कांग्रेस को घेरते हुए उन्होंने कहा कि जीत मिलने पर विपक्ष चुप रहता है और हारते ही मशीनों पर सवाल उठाता है। डॉ. गुप्ता ने कहा कि राजनीतिक दलों को आरोपों के साथ प्रमाण भी देने चाहिए। भाजपा कार्यकर्ता प्रदेशभर में पदयात्राओं के माध्यम से एसआईआर के तथ्य जनता तक पहुंचाएंगे।



दिवंगत पिता पर टिप्पणी दुर्भाग्यपूर्ण, राजनीतिक विरोध में भाषा की मर्यादा जरूरी : डॉ. गुप्ता

रोहतक। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिवंगत पिता को लेकर की गई टिप्पणी को आपत्तिजनक बताते हुए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता के नेतृत्व में विरोध मार्च निकाला गया। मार्च किशनपुरा स्थित भाजपा लोकसभा कार्यालय से शुरू होकर बस स्टैंड के पास श्रीराम शर्मा पार्क तक पहुंचा। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के खिलाफ रोष व्यक्त किया। डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि राजनीतिक मतभेद किसी के दिवंगत पिता का अपमान करने का अधिकार नहीं देते। सार्वजनिक जीवन में भाषा की मर्यादा बनाए रखना प्रत्येक राजनीतिक दल और उसके नेतृत्व की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि किसी के परिवार को निशाना बनाना राजनीतिक संवाद की गरिमा को ठेस पहुंचाता है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष रणबीर ढाका, प्रदेश उपाध्यक्ष जवाहर सैनी, प्रदेश महामंत्री वेद फुल्ला, पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल, प्रदेश सचिव नागेन्द्र शर्मा, एडवोकेट राजबाला, एडवोकेट विजयपाल, प्रोफेसर मदन गोयल, अक्षित दहिया, अजय खुंडिया, शमशेर खरक, पंकज भारद्वाज आदि उपस्थित रहे।

बच्चों की पढ़ाई बीच में न छुड़वाएं अभिभावक : गुप्ता



हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

- रामजोहड़ी को वाल्मीकि तीर्थ की तर्ज पर करेंगे विकसित : मेयर

भाजपा की प्रदेश अध्यक्षा डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों और रामायण की शिक्षाओं को जीवन में अपनाकर समाज में नैतिकता, अनुशासन को मजबूत किया जा सकता है। अभिभावक आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद बच्चों की पढ़ाई बीच में न छुड़वाएं और विशेष रूप से बेटियों की उच्च शिक्षा सुनिश्चित करें। वह पाड़ा मोहल्ला स्थित वाल्मीकि मंदिर परिसर में जिला प्रशासन की ओर से आयोजित जिला स्तरीय महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोह को संबोधित कर रही थीं। डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों का अमूल्य ग्रंथ है। इसमें भगवान श्रीराम की मर्यादा, लक्ष्मण का समर्पण, माता सीता का त्याग और लव-कुश के संस्कार आदर्श जीवन की प्रेरणा देते हैं। युवा पीढ़ी को रामायण की शिक्षाओं और सांस्कृतिक संस्कारों से जोड़ना जरूरी है। पूर्व मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि की शिक्षाएं मानवता, सदाचार और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश देती हैं। मेयर राम अवतार वाल्मीकि ने कहा कि रोहतक के ऐतिहासिक धार्मिक स्थल रामजोहड़ी को अमृतसर स्थित भगवान वाल्मीकि तीर्थ की तर्ज पर विकसित करने की परिकल्पना है। समारोह में एसडीएम आशीष कुमार और नगराधीश शुभम ने अतिथियों को स्मृतिचिह्न भेंट किए। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष रणबीर ढाका, रेनू डाबला, अजय खुंडिया, नवीन बोहत उपस्थित रहे।

एसआईआर में सुनवाई और मामले के निपटारे के लिए सिर्फ दो दिन बचे

- 6 नवंबर को आएगी अंतिम मतदाता सूची

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत नोटिस पाने वाले मतदाताओं की सुनवाई और मामलों के निपटारे के लिए आज(मंगलवार) और कल (बुधवार)का समय शेष है। निर्धारित समयसीमा 28 अक्टूबर को पूरी हो जाएगी। इसके बाद निर्वाचन विभाग अंतिम मतदाता सूची तैयार करेगा। हरियाणा में अंतिम मतदाता सूची 6 नवंबर को प्रकाशित की जानी है। नोटिस पाने वाले मतदाताओं को पात्रता से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने और सुनवाई में शामिल होने का अवसर दिया गया है। प्रदेश में दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की अंतिम तारीख 30 सितंबर थी। इस दौरान नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए फॉर्म-6 के 3,77,987 आवेदन मिले थे। मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए फॉर्म-7 के 40,162 और नाम, पते या अन्य विवरण में सुधार के लिए फॉर्म-8 के 2,14,693 आवेदन प्राप्त हुए थे। इन आवेदनों की जांच के बाद मतदाता सूची को अंतिम रूप दिया जाएगा। निर्वाचन विभाग के सामने निर्धारित समय में सुनवाई पूरी करने और सूची को अंतिम रूप देने की जिम्मेदारी है। मतदाताओं को अपने नाम, पते और अन्य विवरण की जांच करनी चाहिए। निर्धारित प्रक्रिया के तहत।

1,59,552 मतदाताओं की नहीं हो सकी मैपिंग

जिले की प्रारूप मतदाता सूची में 8,50,304 मतदाता दर्ज थे। पुनरीक्षण के दौरान 6,90,752 मतदाताओं की ऑनलाइन मैपिंग हुई, जबकि 1,59,552 मतदाताओं की मैपिंग नहीं हो सकी थी। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, इनमें 31,237 मृत मिले हैं। जिले में पुनरीक्षण कार्य के लिए 831 बूथ लेवल अधिकारी लगाए गए थे। मैपिंग नहीं होने वाले मतदाताओं के मामलों में दस्तावेजों के आधार पर सुनवाई की जा रही है, ताकि पात्र मतदाताओं के नाम सूची में बनाए रखने और गलत प्रविष्टियों को ठीक करने की प्रक्रिया पूरी हो सके।



पूर्व सांसद जांगड़ा ने निंदाना में किया डिजिटल संगीत लाइब्रेरी का उद्घाटन

महम। गांव निंदाना में पूर्व राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने डिजिटल संगीत लाइब्रेरी का उद्घाटन किया। पूर्व सांसद गांव में आयोजित भगवान वाल्मीकि जयंती समारोह में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों को लाइब्रेरी का उदघाटन किया। कहा कि शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक विकास से जुड़ी सुविधाओं को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। डिजिटल संगीत लाइब्रेरी के निर्माण के लिए पूर्व सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने अपनी सांसद निधि से 11 लाख रुपये की राशि उपलब्ध करवाई थी। लाइब्रेरी जैसी सुविधाएं ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक संसाधनों की उपलब्धता बढ़ाने और स्थानीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने में सहायक साबित हो सकती हैं। इस अवसर पर राजेश कटारिया, प्रीत सिंह वाल्मीकि, महेंद्र वाल्मीकि, राकेश वाल्मीकि व रामनिवास रोहिला मौजूद थे।

नगर निगम के सभी गांवों में भी लगेंगे सीसीटीवी, सुरक्षा व्यवस्था होगी मजबूत

- निगम ने तैयार किया प्रस्ताव, 10 से ज्यादा गांवों में कैमरे लगाने की योजना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर के साथ अब नगर निगम के अधीन आने वाले गांवों में भी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की तैयारी की जा रही है। इसके तहत निगम क्षेत्र के 10 से ज्यादा गांवों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इसके लिए प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है। योजना का उद्देश्य गांवों के प्रमुख रास्तों, सार्वजनिक स्थानों और संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाना है, ताकि आपराधिक गतिविधियों पर नजर रखी जा सके और किसी घटना की स्थिति में पुलिस को मदद मिल सके। प्रस्ताव के तहत पहरावर, बलियाणा, खेड़ी साध, कन्हेली, सुनारिया कलां, सुनारिया खुर्द, कुताना और बोहर जैसे गांवों में कैमरे लगाने की जरूरत पर ध्यान दिया जा रहा है। ये गांव नगर निगम के अलग-अलग वार्डों और सीमा क्षेत्रों से जुड़े हैं। पहरावर पुराने वार्ड सात और आठ के हिस्से में आता है, जबकि बलियाणा और खेड़ी साध वार्ड आठ व 11 के अंतर्गत आते हैं। कन्हेली पुराने वार्ड आठ, सुनारिया कलां और सुनारिया खुर्द वार्ड 20 तथा कुताना वार्ड 16 की सीमा से जुड़ा है। बोहर भी निगम सीमा से जुड़ा प्रमुख क्षेत्र है। योजना के तहत गांवों के मुख्य चौक, प्रवेश मार्गों, सार्वजनिक स्थलों कैमरे लगाने पर विचार किया जा सकता है।

पार्षदों की होगी अहम भूमिका

इस योजना में कैमरों की देखरेख की जिम्मेदारी संबंधित पार्षदों को सौंपने की तैयारी है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कैमरे लगने के बाद लंबे समय तक चालू रहें और तकनीकी खराबी आने पर समय रहते उन्हें ठीक कराया जा सके। अक्सर देखा जाता है कि सार्वजनिक स्थानों पर लगाए गए कैमरे रखरखाव के अभाव में बंद हो जाते हैं। ऐसे में नियमित निगरानी की व्यवस्था महत्वपूर्ण होगी।

चोरी व अन्य संदिग्ध गतिविधियों के नियंत्रण में मिलेगी मदद

गांवों में सीसीटीवी कैमरे लगने से चोरी, वाहन चोरी और अन्य संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने में मदद मिल सकती है। किसी घटना के बाद कैमरों की फुटेज से संदिग्धों की पहचान करने और जांच में पुलिस को सहयोग मिलने की संभावना भी रहेगी। हालांकि, कैमरों की संख्या, स्थान और स्थापना की समयसीमा को लेकर अंतिम निर्णय प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद ही स्पष्ट होगा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 8295154800, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

सुविधा | पर्यटकों की सुविधा के लिए आएंगी 10 गोल्फ कार्ट

तिलियार जू में दिसंबर से गोल्फ कार्ट की सवारी, आसानी से घूम सकेंगे बुजुर्ग व बच्चे

हरिभूमि न्यूज ▶▶|रोहतक

तिलियार जू में घूमने आने वाले पर्यटकों के लिए दिसंबर माह से नई सुविधा शुरू होने की उम्मीद है। चिड़ियाघर में 10 गोल्फ कार्ट के माध्यम से पर्यटक विभिन्न वन्यजीवों के बाड़ों तक पहुंच सकेंगे। इससे खासकर बुजुर्गों, बच्चों और अधिक पैदल चलने में परेशानी महसूस करने वाले लोगों को राहत मिलेगी। अभी तक पर्यटकों को चिड़ियाघर में अलग-अलग बाड़ों तक पहुंचने के लिए पैदल चलना पड़ता है, लेकिन गोल्फ कार्ट की सुविधा शुरू होने के बाद उनका भ्रमण पहले से अधिक सुविधाजनक हो सकेगा। तिलियार जू में पर्यटकों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए बाड़ों के आगे इंटरलॉकिंग टाइलों से रास्ते पक्के किए गए हैं। इन रास्तों को गोल्फ कार्ट की आवाजाही के अनुकूल तैयार किया गया है, ताकि पर्यटक बिना अधिक परेशानी के चिड़ियाघर के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंच सकें। गोल्फ कार्ट शुरू होने से जू में घूमने का अनुभव भी बेहतर होने की उम्मीद है।

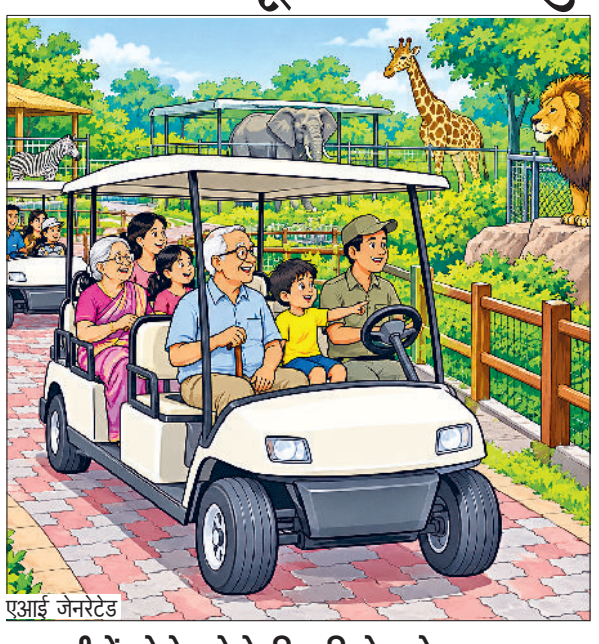
एआई जेनरेटेड

वन्यजीवों को देखने के लिए मिलेगा बेहतर अनुभव

तिलियार जू रोहतक में घूमने आने वाले लोगों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र है। यहां वन्यजीवों को देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक और परिवार पहुंचते हैं। गोल्फ कार्ट की सुविधा से पर्यटकों को कम समय में अलग-अलग बाड़ों तक पहुंचने में मदद मिल सकती है। इससे चिड़ियाघर में भ्रमण अधिक सुविधाजनक होगा और लोगों को थकान की चिंता किए बिना वन्यजीवों को देखने का अवसर मिलेगा।

बुजुर्गों और बच्चों के लिए खास सुविधा

चिड़ियाघर में आने वाले कई बुजुर्ग पर्यटक अधिक दूरी तक पैदल चलने में असमर्थ होते हैं। ऐसे में उन्हें कई बार बीच में बैठकर आराम करना पड़ता है या कुछ बाड़ों को देखे बिना ही लौटना पड़ता है। गोल्फ कार्ट शुरू होने से ऐसे पर्यटक भी आसानी से जू का भ्रमण कर सकेंगे। परिवार के साथ आने वाले लोगों को भी बच्चों को लेकर एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने में सहूलियत मिलेगी।

दिसंबर महीने में सुविधा शुरू होने की उम्मीद

जू में 10 गोल्फ कार्ट लाने की योजना के साथ रास्तों को भी तैयार किया गया है। अब पर्यटकों को इस सुविधा के शुरू होने का इंतजार है। दिसंबर में गोल्फ कार्ट की शुरुआत होने पर तिलियार जू में आने वाले लोगों को घूमने का नया विकल्प मिलेगा। हालांकि, गोल्फ कार्ट का किराया, संचालन का समय और एक कार्ट में बैठने वाले पर्यटकों की संख्या को लेकर जानकारी सामने आने के बाद ही पूरी व्यवस्था स्पष्ट होगी।

तिलियार कन्वेंशन हॉल को लीज पर देने में संकट



हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा पर्यटन निगम द्वारा तिलियार झील के कन्वेंशन हॉल को निजी हाथों में सौंपने की प्रक्रिया में फर्मों की भारी कमी बड़ा संकट बन गई है। स्थिति यह है कि विभाग चाहकर भी इस बड़े पर्यटन ढांचे को लीज पर नहीं दे पा रहा है क्योंकि निर्धारित नियमों के पेच में प्रक्रिया फंस गई है। पर्यटन विभाग के नियमों के अनुसार किसी भी टेंडर प्रक्रिया को अंतिम रूप देने के लिए कम से कम तीन पात्र फर्मों का होना अनिवार्य है। इसी नियम के चलते गत 21 अगस्त को पर्यटन निगम द्वारा तिलियार लेक कॉम्प्लेक्स के कन्वेंशन सेंटर, बैंक्वेट हॉल और लॉन को लीज पर देने के लिए पहली बार ई-टेंडर जारी किया गया था, लेकिन न्यूनतम अर्हता न मिलने के कारण और केवल दो फर्मों द्वारा टेंडर भरने से 22 सितंबर 2026 को निगम मुख्यालय को पहला टेंडर रद्द करना पड़ा था।

सरकार को उठाना पड़ेगा भारी वित्तीय नुकसान

इसके तुरंत बाद 23 सितंबर को पर्यटन निगम ने 90 लाख रुपये के अनुमानित वार्षिक मूल्य और पाँच करोड़ रुपये के वार्षिक टर्नओवर तथा दो साल के अनुभव जैसे कड़े मानदंडों के साथ नए सिरे से री-टेंडर यानी दोबारा ई-टेंडर जारी किया। वर्तमान स्थिति यह है कि बार-बार टेंडर रद्द होने और प्रक्रिया लंबी खींचने के कारण अब आगामी शादियों और बड़े आयोजनों का मुख्य सीजन सिर पर आ गया है। जानकारों का मानना है कि यदि जल्द से जल्द इस कन्वेंशन हॉल का संचालन किसी निजी ऑपरेटर को नहीं सौंपा गया, तो आने वाले महीनों में बुकिंग न होने के कारण सरकार और पर्यटन निगम को भारी वित्तीय और राजस्व नुकसान उठाना पड़ेगा।